3323. *[Transferred to the* 4th *December,* 1986].

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में हिन्दी पुस्तकों का उपलब्ध न होना

3324. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पाठ्य पुस्तकों, अनुसंधान तथा संदर्भ पुस्तकों तथा भारतीय कृषि के संबंध में वास्तविक अनुभव पर आधारित सभी प्रकार की मूल तथा अनुदित पुस्तकों की कमी अनभव की जाती रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस प्रकार की पुस्तकें लिखने के कार्य में कोई प्रगति नहीं हो रही हैं और न ही सर्वोत्तम अध्यापक पुरस्कार ही वितरित किए जा रहे हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि जहां अंग्रेजी में पुस्तकों की संख्या 59,558 है, वहीं हिन्दी में पुस्तकों की संख्या केवल 1923 है और जहां अंग्रेजी की पत्रिकाओं की संख्या 347 है, वहीं हिन्दी पत्रिकाओं की संख्या केवल 15 है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार क्या-क्या प्रयास कर रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) भारतीय लेखकों की भारतीय दशाओं के लिए उपयुक्त भारतीय आंकड़ों का उपयोग करते हुए लिखी गयीं अच्छी गुणवत्तायुक्त पाठ्य-पुस्तकों का सामान्य अभाव है । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ऐसी पुस्तकों के प्रकाशन को प्रोत्साहन देने का प्रयास कर रही है ।

(ख) हिन्दी में पुस्तकों के प्रकाशन का कार्यक्रम योजना के अनुसार प्रगति पर है । जहां तक सर्वोत्तम अध्यापक पुरस्कार का सम्बंध है यद्यपि यह योजना छठी योजना के दौरान बनाई गई थी तो भी नये पदों के निर्माण पर पाबंदी होने के कारण इसे चलाने के लिए मानव-शक्ति उपलब्ध नहीं करायी जा सकी । इस कार्यक्रम को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की सातवीं योजना में कार्यान्वयन हेतु सम्मिलित किया गया है ।

(ग) और (घ) यद्यपि पुस्तकों से सम्बन्धित आंकड़े सही नहीं हैं तो भी यह एक सच्चाई है कि अंग्रेजी की पुस्तकें और पत्रिकाएं हिन्दी की तुलना में अधिक हैं । तथापि, परिषद् के पुस्तकालय में कृषि में सभी मानक पुस्तकें इस्तेमाल करने वालों की मांग के अनुसार उपलब्ध हैं ।

गंगा नदी में बाढ़ तथा उसके द्वारा मिट्टी के कटाव से होने वाली हानि

3325. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गंगा नदी में बाढ़ तथा उसके द्वारा मिट्टी के कटाव से प्रति वर्ष कितनी हानि होती है और इसे प्रभावित होने वाले 21 करोड़ लोगों के लिए कोई योजना तैयार न किए जाने के क्या कारण हैं और सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस संबंध में किन-किन कार्यों का उपबंध किया गया है ;

(ख) क्या दियारा क्षेत्र में कृषि योग्य खेतों के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया है, क्या कभी मिट्टी का परीक्षण किया गया है और इस संबंध में नयी योजनाएं क्या हैं और इन्हें किन-किन स्थानों पर तथा किस किस रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है ,

(ग) क्या यह सच है कि बिन्दा दियारा योजना के कार्यालय में सुधार लाए जाने की आवश्यकता है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार क्या उपाय करने का विचार रखती है ;

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) से (घ) जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

सहकारिता की शिक्षा का दिया जाना

3326. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अध्ययन दल की सिफारिशों के बावजूद सरकार सहकारिता आन्दोलन के स्वस्थ विकास में सहायता देने हेतु सहकारिता की शिक्षा की आवश्यकता को स्वीकार करने को तैयार नहीं है ; और

(ख) क्या सरकार छात्रों को आरम्भ से ही सहकारिता की शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता पर जोर देने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० प्रभु): (क) जी नहीं । सातवीं पंचवर्षीय योजना में यह निर्धारित किया गया है कि सहकारी प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम को तेज किया जायेगा और इसे सहकारी आंदोलन के विभिन्न क्षेत्रों की बढ़ती हुई विविध आवश्यकताओं से सम्बद्ध किया जायेगा । इसके अतिरिक्त, सातवीं योजना के अंतर्गत सहकारी विकास की नीति में अन्य बातों के साथ-साथ व्यावसायिक प्रबंध का सम्वर्धन करने और सहकारी समितियों को परिचालन क्षमता में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण की प्रभावी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का विचार है ।

(ख) समय-समय पर इस बात पर बल दिया गया है कि विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों को सहकारिता की संकल्पना और विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में इसके उपयोग के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए । विद्यालयों और महाविद्यालयों में सहकारिता को शिक्षा का विषय बनाये जाने के लिये यह भी सलाह दी गई है कि सम्वर्धनात्मक एजेंसियों द्वारा उपयुक्त साहित्य सृजित किया जाना चाहिए ।

बिहार में परवल का उत्पादन

3327. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में मुंगेर जिले का बिन्दा दियारा क्षेत्र, परवल के उत्पादन के मामले में सबसे आगे है ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि परवल सब्जी पर न तो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पास और न पुस्तकालय में कोई साहित्य उपलब्ध है और न इस प्रकार के साहित्य को तैयार करने की कोई व्यवस्था ही की गई है ; और यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) बिहार का मुंगेर जिले का बिन्दा दियारा क्षेत्र देश में परवल उगाने वाले क्षेत्रों में से एक है । तथापि परवल उगाने वाले क्षेत्र तथा परवल के कुल उत्पादन के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं है ।

(ख) सब्जियों पर पाठ्य पुस्तकों में परवल फसल पर साहित्य तथा इसकी विशेषताएं आदि उपलब्ध है परन्तु किये गये विशिष्ट अनुसंधान कार्य पर पैकेज आफ प्रेक्टिसिज पर साहित्य उपलब्ध नही है । यह तब उपलब्ध होगा जब इस समय चालू अनुसंधान प्रयोजनाओं से कुछ परिणाम प्राप्त हो जायेंगे ।

पशुधन सुधार योजना

3328. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा पशुधन सुधार की कितनी योजना-